Paper Code: GF5P21

हिन्दी लेखन कौशल

लेखन कौशल

1. **लेखन का अर्थ**
2. **लेखन कौशल की आवश्यकता एवं महत्व**
3. **लेखन कौशल के उद्देश्य**
4. **लेखन कौशल के प्रकार :**
    - सुलेख
    - अनुलेख (श्रव्य (ऑडियो) सामग्री का लेखन आदि)
    - श्रुतलेख
5. **लेखन कौशल योग्यता का विकास :**

    (क) रचनात्मक आयाम :
    - लेख, रिर्पोट लेखन
    - निबंध लेखन
    - कहानी लेखन
    - फीचर लेखन
    - दैनंदिन पत्र

    (ख) प्रायोगिक आयाम :
    - कार्यशाला
    - उच्चारण अभ्यास (जैसा बोलेगा वैसा लिखेगा)
    - कोश का उपयोग
    - वक्तृता कौशल
6. **व्याकरण :**

    (क) **शब्द विचार**
    - समश्रुत शब्द
    - समानार्थी शब्द
    - एकार्थी प्रतीत होने वाले भिन्नार्थी शब्द
    - विलोम शब्द
    - वर्तनी अशुद्धि संशोधन

(ख) **शब्द–स्थानीय शब्दावली के प्रयोग एवं सीमाएँ**

- मानक शब्दावली
- अन्य भाषाओं के शब्दों की स्वीकार्यता एवं सीमाएँ

(ग) वाक्य रचना

(घ) स्थानीय अभिव्यक्तियॉ – कहावतें/लोकोक्तियॉ आदि।

सहायक पुस्तकें :

1. पारिभाषिक व्यावसायिक सम्प्रेषण – प्रो डॉ. पी. के. जैन मध्यप्रदेश हिन्दी ग्रन्थ अकादमी
2. व्यावसायिक संगठन एवं सम्प्रेषण, डॉ. एस. सी. सक्सेना, प्रो. वी.पी. अग्रवाल, साहित्य भवन पब्लिकेशन आगरा
3. व्यावसायिक संगठन एवं सम्प्रेषण, डॉ. एस. सी. जैन, कैलास पुस्तक सदन, भोपाल
4. सम्प्रेषण कौशल – डॉ प्रवीण कुमार अग्रवाल, साहित्य भवन, पब्लिकेशन, आगरा
5. व्यावसायिक हिन्दी – डॉ. प्रेमचन्द पातंजलि, वाणी प्रकाशन
6. व्यावसायिक सम्प्रेषण – डॉ. हंसराज पाल, डॉ. मंजुलता शर्मा हिन्दी माध्यम कार्यान्वय, निदेशालय दिल्ली वि. वि.
7. फीचर लेखन : स्वरूप और शिल्प, डॉ. मनोहर प्रभाकर, अरविन्द चतुर्वेदी भोपाल